Board during 1991-92 and target for 1992-93 are as under: —

SI. No.	Name of the Project and Unit No.	Hydro/ Thermal	Capacity (MW) Programme	Actual
1	Penna Ahobilam-1	H	10	
2	Penna Ahobilam-2	H	10	
3	Nagar Junasagar LBC-1	H	30	30
4	Nagar Junasagar LBC-2	H	30	30
		T	33	33
1992-93				
1	Penna Ahsobilam.....	H	20	

Funds from World Bank for development of power sector

1244. SHRI MENTAY PADMANA-BHAM: Will the Minister of POWER be pleased to state:

(a) whether Government have sought funds from World Bank for development of power sector;

(b) whether it is a fact that the World Bank has insisted on certain conditionalities, including revision of tariff;

(c) how many State Electricity Boards have agreed to these conditionalities; and[1]

(d) whether it is also a fact that the Karnataka Government did not agree to revise the power tariff for the agriculture sector?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF POWER (SHRI KALP NATH RAI): (a) to (c) Discussions are being held with the World Bank regarding the funding of new power projects. The projects to be funded are yet to be decided.

(d) There is no project of Karnataka which is being posed to the World Bank.

Decline in share of hydro electricity in the power sector

1245. SHRI MENTAY PADMANA-BHAM: Will the Minister of POWER be pleased to state.

(a) what are the reasons for dec line in the share of hydro-electricity in the power sector;

(b) whether it is a feet that only 14 per cent of potential hydro-power has been harnessed; and

(c) what steps are being taken by Government to increase hydro-power generation?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF POWER (SHRI KALP NATH RAI): (a) The main reasons for the decline in the share of hydro electricity in the power sector are that after the 3rd Plan there was a shift in the emphasis in favour of coal-based thermal projects, as they took somewhat shorter time for commissioning. Other reasons include fund constraints, inter-State disputes regarding sharing of water rehabilitation of displaced persons, quisition of land, afforestation and rehabilitation of displaced persons. and managerial deficiencies.

(b) Yes, Sir.

(c) Steps taken by Government to increase hydro power generation include recognition of the need to increase the hydel thermal ratio t_0 40 per cent; emphasis on speedy completion of on-goina schemes and starting work o_n new $hydr_0$ projects; close monitoring of execution of on-going project; emphasis on renovating and modernisation of existing hydel stations and inviting private sector participation in hydro development. At present Hydro projects worth over 15000 MW have been sanctioned and are on-going.

बिहार को विद्युत की पर्याप्त आपूर्ति

1246. **श्री शकर दयाल सिंह :** क्या **विद्युत** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने बिहार में विद्युत की दयनीय स्थिति को ध्यान में रखते हुये राज्य में घरेलू उपभोग और औद्योगिक उपयोग के लिये विद्युत की पर्याप्त आपूर्ति किये जाने की कोई योजना तैयार की है ; और

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ?

विद्युत मत्रालय ; राज्य मत्री (श्री कल्पनाथ राय) : (क) और (ख) राज्य/क्षत्र में बिजली के वितरण संबंधी कार्य, राज्य बिजली बोर्डों द्वारा निष्पादित एवं विनियमित किया जा रहा है । यह विद्युत की मांग और उपलब्धता एव राज्य बिजली बोर्ड द्वारा सृजित आधार-भूत सुविधाओं पर निर्भर करता है । विभिन्न विद्युत उत्पादन स्टेशनों से विद्युत राज्य ग्रिड को सप्लाई की जाती है और वहां से आगे वितरित की जाती है ।

बिहार में विद्युत की उपलब्धता बढ़ाने के लिये विभिन्न उपाय किये जा रहे हैं, जिसमें विद्यमान विद्युत उत्पादन स्टेशनों से अधिकतम विद्युत उत्पादन, नवीकरण एव आधुनिकीकरण कार्यक्रम का क्रियान्वयन, पारेषण एवं वितरण हानियों में कमी, प्रभावी लोड प्रबंध एवं ऊर्जा संबंधी उपाय किया जाना, सरक्षण।पड़ौसी राज्यों।प्रणालियों से सहायता प्रदान किया जाना आदि शामिल है ।

दिल्ली में प्रतिमाह विद्युत कीखपत

1247. **श्री शकर दयाल सिंह :** क्या विद्युत मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) दिल्ली में प्रतिमाह विद्युत खपत की दर क्या है ;

(ख) इसमें औद्योगिक और घरेलू खपत का प्रतिशत क्या है ; और

(ग) दिल्ली में कौन-कौन से क्षेत्रों से विद्युत विद्युत की आपूर्ति की जाती है ?

विद्युत मत्रालय के राज्य मत्री (श्री कल्पनाथ राय) : (क) और (ख') 1991 92 के दौरान दिल्ली में प्रतिमाह विद्युत की औसत खपत की दर लगभग 781 मिलियन यूनिट थी । औद्योगिक एव घरेलू खपत क्रमश: लगभग 35% और 28% प्रतिशत थी । दिल्ली की विद्युत संबंधी आवश्यकताओं की पूर्ति, केन्द्रीय क्षेत्र के बदरपुर ताप विद्युत केन्द्र के अलावा आई0पी0 केन्द्र, राजघाट और गैस टर्बाईनों के द्वारा डेसू के विद्युत उत्पादन केन्द्रों से की जाती है । दिल्ली को, उत्तरी क्षेत्र में अवस्थित केन्द्रीय क्षेत्र के विद्युत उत्पादन केन्द्रों यथा सिंगरौली, रिहन्द, बैरास्यूल, सलाल, दादरी, अंता और औरैया आदि से भी विद्युत सप्लाई की जाती है ।

भारत में विद्युत परियोजनाओं के लिए रूसी सहायता

1248. **डा0 हासूपू कालवाते :** क्या **विद्युत** मंत्री 28 अप्रैल, 1992 को राज्य सभा में अतारांकित प्रश्न सं० 180 के दिये गये उत्तर को देखेंगे और